











# संपादकीय

## उत्तर प्रदेश : कांग्रेस का घटता कद

अ गर लोकसभा चुनाव में बहुमत न हासिल कर पाने की वजह से एनडीए के अंदर वीजेंवी नेतृत्व की पकड़ कुछ कमज़ोर हुई तो हरियाणा की हार आइनडीआईए खेमे में कांग्रेस की साथ पर भारी पड़ती दिख रही है। हरियाणा के चुनावी नतीजे आने के बाद न सिर्फ विपक्षी नेताओं की बयानबाजी के अंदर बदल गये हैं, बल्कि सीट बटोरों में कांग्रेस की सौदेबाजी करने की क्षमता भी खत्म हो गयी लगती है। इसका पहला बड़ा प्रभाव उत्तर प्रदेश में दिखा, जहां नो विधानसभा सीटों पर ही रहे उपचुनाव के मद्देनजर समाजवादी पार्टी ने एकतरफा ढंग से उम्मीदवारों घोषित करने शुरू किये। कांग्रेस ने फहले पटे के पीछे बातचीत कर मामले को संबालने की कोशिश की, लेकिन बात नहीं बनी। आखिरकार उसने त्याग की मुद्रा अखियार करते हुए कहा कि लोकतंत्र और संविधान बचाने की इस लड़ाई में व्यापक हितों को देखते हुए वह अपना कोई प्रत्याशी खड़ा नहीं करेगी और सभी 9 सीटों पर समाजवादी पार्टी को जिताने का प्रयास करेगी। महाराष्ट्र विकास आधारी की तीनों प्रमुख दलों में कांग्रेस खुद को सबसे बड़ी बता रही थी। इसका ठोस आधार भी था। लोकसभा चुनावों में पार्टी ने राज्य में विपक्षी दलों में सबसे ज्यादा 13 सीटें जीती थीं। स्वाभाविक ही वह बाकी दलों के सुकाबसे ज्यादा सीटें मांग रही थीं। शुरुआती खबरों में ऐसे सकेत भी मिले कि उसकी मांग को स्वीकार कर लिया जायेगा, लेकिन आखिरी दौरे में शरद पवार की अग्रिमी में सबसे ज्यादा 13 सीटें जीती थीं। स्वाभाविक ही वह बाकी दलों के सुकाबसे ज्यादा सीटें मांग रही थीं। शुरुआती खबरों में ऐसे सकेत भी मिले कि उसकी मांग को स्वीकार कर लिया जायेगा, लेकिन आखिरी दौरे में शरद पवार की अग्रिमी में उत्तर प्रदेश में, जहां नौ विधानसभा सीटों पर ही रहे उपचुनाव के मद्देनजर समाजवादी पार्टी ने एकतरफा ढंग से उम्मीदवार घोषित करने शुरू किये। कांग्रेस ने फहले पटे के पीछे बातचीत कर नामालों को संभालने की कोशिश की, लेकिन बात नहीं बनी।

उत्तर प्रदेश में, जहां नौ विधानसभा सीटों पर ही रहे उपचुनाव के मद्देनजर समाजवादी पार्टी ने एकतरफा ढंग से उम्मीदवार घोषित करने शुरू किये। कांग्रेस ने फहले पटे के पीछे बातचीत कर नामालों को संभालने की कोशिश की, लेकिन बात नहीं बनी।

हुई बैठक में जो फॉर्मूला मंजूर हुआ, उसके मुताबिक तीनों पार्टियों - कांग्रेस, शिवसेना (यूटीटी) और एनसीपी (शरद) - ने 85-85 सीटों पर लड़ना तय किया। निश्चित रूप से यह कथित बाबरी कांग्रेस के खिलाफ है, लेकिन वह इसे मानने को मजबूर दिख रही है। सबल यह है कि कांग्रेस का यह घटा हुआ कद आइनडीआईए ब्लॉक के क्षेत्रीय दलों के लिए ताल्कालिक तौर पर फायदेमंद भले हो, क्या यह दीर्घकालिक तौर पर गठबंधन के लिए लाभकारी होगा? ध्यान रहे, लोकसभा चुनावों में अगर विपक्ष बेहतर प्रदर्शन कर सका, तो उसके पीछे दो दौरे की भारत जोड़ी बात्रा के कारण विपक्ष के नेता के तौर पर गहुल गांधी के बढ़े हुए कद का भी कम योगदान नहीं था। भले ही मौजूदा दौर गठबंधन का हो, उसके केंद्र में एक बड़े व्यक्तिकूप की मौजूदी जरूरी होती है, जो गठबंधन को न सिर्फ जोड़े रखता है, बल्कि उसे मजबूती भी देता है। ऐसे में अगर विपक्षी गठबंधन को साथीक विकल्प के रूप में बने रहना है तो कांग्रेस को इस कमज़ोरी से उबरना पड़ेगा। लेकिन यह तब तक नहीं होगा, जब तक कि वह बीजेंपी से सीधे मुकाबले में हार जाने वाली अपनी छिपकी को निर्णयक तौर पर नहीं बदलती।

### अभिमत आजाद सिपाही

महाराजा ने जम्मू में मध्य राजि को अपनी नीद में खल एड़ने पर भी इस समझौते पर हस्ताक्षर किये, जिसे अगले दिन विशेष दूत द्वारा लार्ड मार्टेनेज को सौंप दिया गया। उन्होंने महाराजा का धन्यवाद करते हुए प्रत्येक नेता और लेफ्टिनेंट गवर्नर को सौंप दिया गया। लेकिन अंग्रेज तो भारत को टूटे हुए देखने का सपना पाले हुए थे, तो लात साहब ने एप्स में नागरिकों की सहमति को अपने नाम दिलाया।

## जम्मू-कश्मीर के लिए यादगार विलय दिवस

### पूरन चंद सरीन

स्वतंत्रता दिवस के बाद सबसे उल्लेखनीय राजनीतिक फैसला 26 अक्टूबर 1947 को यह हुआ कि महाराजा हरी सिंह ने जम्मू-कश्मीर रियासत की बागडोर स्वतंत्र भारत के हाथों सौंप कर स्वयं को गैरवान्वित किया था, तब से यह दिन समारोहपूर्वक मनाया जाने लगा और भारतीय एकता का प्रतीक बन गया। विलय की बात से पाकिस्तान के संस्थापक मोहम्मद अली जिन्ना को बिलबिलाना ही था और उन्होंने इसे धोखाधड़ी कहते हुए हमेशा के लिए भारत से शानुता को ऐसी नीव डाली कि आज तक 2 पड़ोसी दुश्मनी निभा रहे हैं। उनमें एकी-कभार दिखावारी देती है, जिसका जल्दी ही पर्वकाश हो जाता है।

अंग्रेजों का पाकिस्तान से याराना : महाराजा ने जम्मू में मध्य राजि को अपनी नीद में खल एड़ने पर भी इस समझौते पर हस्ताक्षर किये, जिसे अगले दिन विशेष दूत द्वारा लार्ड मार्टेनेज द्वारा को सौंप दिया गया। उन्होंने महाराजा का धन्यवाद करते हुए प्रत्येक हितों को देखते हुए वह अपना कोई प्रत्याशी और सभी 9 सीटों पर समाजवादी पार्टी को जिताने का प्रयास करेगी। महाराष्ट्र विकास आधारी की तीनों प्रमुख दलों में कांग्रेस खुद को सबसे बड़ी बता रही थी। इसका ठोस आधार भी था। लोकसभा चुनावों में पार्टी ने राज्य में विपक्षी दलों में सबसे ज्यादा 13 सीटें जीती थीं। स्वाभाविक ही वह बाकी दलों के सुकाबसे ज्यादा सीटें मांग रही थीं। शुरुआती खबरों में ऐसे सकेत भी मिले कि उसकी मांग को स्वीकार कर लिया जायेगा, लेकिन आखिरी दौरे में शरद पवार की अग्रिमी और उन्होंने महाराजा का धन्यवाद करते हुए प्रत्येक हितों को देखते हुए वह अपना कोई प्रत्याशी और सभी 9 सीटों पर समाजवादी पार्टी को जिताने का प्रयास करेगी। महाराष्ट्र विकास आधारी की तीनों प्रमुख दलों में कांग्रेस खुद को सबसे बड़ी बता रही थी। इसका ठोस आधार भी था। लोकसभा चुनावों में पार्टी ने राज्य में विपक्षी दलों में सबसे ज्यादा 13 सीटें जीती थीं। स्वाभाविक ही वह बाकी दलों के सुकाबसे ज्यादा सीटें मांग रही थीं। शुरुआती खबरों में ऐसे सकेत भी मिले कि उसकी मांग को स्वीकार कर लिया जायेगा, लेकिन आखिरी दौरे में शरद पवार की अग्रिमी और उन्होंने महाराजा का धन्यवाद करते हुए प्रत्येक हितों को देखते हुए वह अपना कोई प्रत्याशी और सभी 9 सीटों पर समाजवादी पार्टी को जिताने का प्रयास करेगी। महाराष्ट्र विकास आधारी की तीनों प्रमुख दलों में कांग्रेस खुद को सबसे बड़ी बता रही थीं। स्वाभाविक ही वह बाकी दलों के सुकाबसे ज्यादा सीटें मांग रही थीं। शुरुआती खबरों में ऐसे सकेत भी मिले कि उसकी मांग को स्वीकार कर लिया जायेगा, लेकिन आखिरी दौरे में शरद पवार की अग्रिमी और उन्होंने महाराजा का धन्यवाद करते हुए प्रत्येक हितों को देखते हुए वह अपना कोई प्रत्याशी और सभी 9 सीटों पर समाजवादी पार्टी को जिताने का प्रयास करेगी। महाराष्ट्र विकास आधारी की तीनों प्रमुख दलों में कांग्रेस खुद को सबसे बड़ी बता रही थीं। स्वाभाविक ही वह बाकी दलों के सुकाबसे ज्यादा सीटें मांग रही थीं। शुरुआती खबरों में ऐसे सकेत भी मिले कि उसकी मांग को स्वीकार कर लिया जायेगा, लेकिन आखिरी दौरे में शरद पवार की अग्रिमी और उन्होंने महाराजा का धन्यवाद करते हुए प्रत्येक हितों को देखते हुए वह अपना कोई प्रत्याशी और सभी 9 सीटों पर समाजवादी पार्टी को जिताने का प्रयास करेगी। महाराष्ट्र विकास आधारी की तीनों प्रमुख दलों में कांग्रेस खुद को सबसे बड़ी बता रही थीं। स्वाभाविक ही वह बाकी दलों के सुकाबसे ज्यादा सीटें मांग रही थीं। शुरुआती खबरों में ऐसे सकेत भी मिले कि उसकी मांग को स्वीकार कर लिया जायेगा, लेकिन आखिरी दौरे में शरद पवार की अग्रिमी और उन्होंने महाराजा का धन्यवाद करते हुए प्रत्येक हितों को देखते हुए वह अपना कोई प्रत्याशी और सभी 9 सीटों पर समाजवादी पार्टी को जिताने का प्रयास करेगी। महाराष्ट्र विकास आधारी की तीनों प्रमुख दलों में कांग्रेस खुद को सबसे बड़ी बता रही थीं। स्वाभाविक ही वह बाकी दलों के सुकाबसे ज्यादा सीटें मांग रही थीं। शुरुआती खबरों में ऐसे सकेत भी मिले कि उसकी मांग को स्वीकार कर लिया जायेगा, लेकिन आखिरी दौरे में शरद पवार की अग्रिमी और उन्होंने महाराजा का धन्यवाद करते हुए प्रत्येक हितों को देखते हुए वह अपना कोई प्रत्याशी और सभी 9 सीटों पर समाजवादी पार्टी को जिताने का प्रयास करेगी। महाराष्ट्र विकास आधारी की तीनों प्रमुख दलों में कांग्रेस खुद को सबसे बड़ी बता रही थीं। स्वाभाविक ही वह बाकी दलों के सुकाबसे ज्यादा सीटें मांग रही थीं। शुरुआती खबरों में ऐसे सकेत भी मिले कि उसकी मांग को स्वीकार कर लिया जायेगा, लेकिन आखिरी दौरे में शरद पवार की अग्रिमी और उन्होंने महाराजा का धन्यवाद करते हुए प्रत्येक हितों को देखते हुए वह अपना कोई प्रत्याशी और सभी 9 सीटों पर समाजवादी पार्टी को जिताने का प्रयास करेगी। महाराष्ट्र विकास आधारी की तीनों प्रमुख दलों में कांग्रेस खुद को सबसे बड़ी बता रही थीं। स्वाभाविक ही वह बाकी दलों के सुकाबसे ज्यादा सीटें मांग रही थीं। शुरुआती खबरों में ऐसे सकेत भी मिले कि उसकी मांग को स्वीकार कर लिया जायेगा, लेकिन आखिरी दौरे में शरद पवार की अग्रिमी और उन्होंने महाराजा का धन्यवाद करते हुए प्रत्येक हितों को देखते हुए वह अपना कोई प्रत्याशी और सभी 9 सीटों पर समाजवादी पार्टी को जिताने का प्रयास करेगी। महाराष्ट्र विकास आधारी की तीनों प्रमुख दलों में कांग्रेस खुद को सबसे बड़ी बता रही थीं। स्वाभाविक ही वह बाकी दलों के सुकाबसे ज्यादा सीटें मांग रही थीं। शुरुआती खबरों में ऐसे सकेत भी मिले कि उसकी मांग को स्वीकार कर लिया जायेगा, लेकिन आखिरी दौरे में शरद पवार की अग्रिमी और उन्होंने मह











## चक्रवात के दौरान कार्य में लापरवाही बरतने पर 4 अधिकारियों पर कार्रवाई 3 पीड़िओ और एक आरआइ निलंबित

आजाद सिपाही संवाददाता

भुवनेश्वर। चक्रवात दाना के बाद राज्य में बाढ़ की स्थिति पर राजस्व मंत्री सुरेश पुजारी ने वह जानकारी दी। शुक्रवार को बारिश के कारण काम बहित हुआ था, जो शनिवार को सुबह शुरू हुआ।

हालांकि, मंत्री ने कहा कि बिजली कोवेशन का काम शाम तक पूरा हो जायेगा। दूसरी ओर, राजस्व मंत्री ने कहा कि जिन परिवारों के चक्रवात में घर पूरी तरह टट गया है, वे आश्रय स्थलों में रहेंगे। घरेलू विकल्प उपलब्ध होने तक आश्रय स्थलों में रहने का प्रावधान किया जायेगा। उन्होंने कहा कि उमीद है कि 7 दिनों के अंदर सब कुछ



सामान्य हो जायेगा।

चक्रवात से हुई नुकसान के संबंध में मंत्री ने कहा कि कुछ इलाकों में जलजमाव की खबरें हैं। बारिश के कारण बुद्धलंग में पानी बढ़ा है, खतरे के ऊपर नहीं गया है। राजस्व मंत्री ने बताया कि सरकार पूरी स्थिति पर नज़र रख रहे हैं।

वहाँ, चक्रवात गुजर जाने के बाद अब बचाव अभियान युद्ध स्तर पर चल रहा है। अब तक 22 लाख लोगों के घरों तक बिजली

आपदा प्रबंधन मंत्री हुई गयी है। राजस्व एवं आपदा प्रबंधन मंत्री सुरेश पुजारी ने वह जानकारी दी। शुक्रवार को बारिश के कारण काम बहित हुआ था, जो शनिवार को सुबह शुरू हुआ।

हालांकि, उन्होंने बताया कि कुछ इलाकों में जलजमाव की खबरें हैं। बारिश के कारण बुद्धलंग में पानी बढ़ा है, खतरे के ऊपर नहीं गया है। राजस्व मंत्री ने बताया कि सरकार पूरी स्थिति पर नज़र रख रहे हैं।

वहाँ, चक्रवात गुजर जाने के बाद अब बचाव अभियान युद्ध स्तर पर चल रहा है। अब तक 22 लाख लोगों के घरों तक बिजली

## बम धमकियों को लेकर फर्जी कॉल्स पर जारी एडवाइजरी

● सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म से भी मांगी मदद

आजाद सिपाही संवाददाता

नहीं दिली। बम धमकियों को लेकर फर्जी कॉल्स पर जारी एडवाइजरी जारी की है। वहाँ मंत्रालय की तरफ से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म से भी मांगी गयी है। जानकारी के मुताबिक मंत्रालय ने इस मुद्दे के लिए एक्स, मेटा और अन्य प्लेटफॉर्म से संपर्क किया है।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों को कार्रवाई की चेतावनी : फर्जी बम धमकियों के मामले में सरकार ने

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों की तरफ से 'उचित परिश्रम' अनुपालन में विफलता के मामले में परिणामी कार्रवाई की चेतावनी भी दी है।

सभी राज्यों में बने साइबर कमांडो की चेतावनी : गृह मंत्रालय ने मंगलवार को एक

सिफारिश की गयी थी। गृह परामर्श जारी किया, जिसमें सभी राज्यों से साइबर कमांडो की एक विशेष शाखा स्थापित करने का आग्रह किया गया। वह पहल पुलिस संगठनों में एकीकृत किया जायेगा, जो राष्ट्रीय संसाधन के लक्षित करने वाले 100 से

अधिक फर्जी बम धमकियों के जवाब में की गयी है, जिससे धमकियों को कापानी परेशानी हुई और एयरलाइनों को वित्तीय नुकसान हुआ। इनमें से अधिकांश खतरों का पता सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर खतरों से लगाया गया था, जिन्हें वर्तुअल प्राइवेट नेटवर्क वा डार्क वेब ब्राउजर का उपयोग करके बनाया गया था, जो जांच एजेंसियों द्वारा पता लाने से बच रहे थे। धारांतरी साइबर अपराध समन्वय केंद्र ने शामांत्री रक्षा क्षमताओं को मजबूत करने और ऐसे खतरों से बचाने की तत्काल आवश्यकता को पहचाना है।

पीएम मोदी ने की थी विशेष विंग के गठन की सिफारिश : जनवरी 2023 और 2024 में आयोजित डी-जीपी और आजीजोपी सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री की तरफ से

सिफारिश की गयी थी। गृह मंत्रालय की लक्ष्य अग्रणी पांच वर्षों में 5,000 साइबर कमांडो की भर्ती करना है, जिसमें विंग को राज्य पुलिस संगठनों में एकीकृत किया जायेगा, जो राष्ट्रीय संसाधन के

लक्षित करने वाले 100 से अधिक फर्जी बम धमकियों को लेकर फर्जी कॉल्स पर जारी एडवाइजरी की चेतावनी भी दी दी गयी है। वहाँ मंत्रालय की तरफ से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों को कार्रवाई की चेतावनी भी दी दी गयी है। इसके बाद अपराध समन्वय केंद्र ने विंग के गठन की सिफारिश की गयी है। गृह परामर्श जारी किया जायेगा, जिसमें सभी राज्यों से साइबर कमांडो की एक विशेष शाखा स्थापित करने का आग्रह किया गया। वह पहल पुलिस संगठनों में एकीकृत किया जायेगा, जो राष्ट्रीय संसाधन के लक्षित करने वाले 100 से

अयेंगी। हालांकि, उन्होंने कहा कि राज्य सरकार केंद्रीय सहायता से पहले लोगों तक पैसा पहुंच चैगरी। वहाँ, चक्रवात के दौरान काम में लापरवाही बरतने के आरोप में 4 सरकारी अधिकारियों को निलंबित कर दिया गया है।

आपदा प्रबंधन मंत्री सुरेश पुजारी ने बताया कि तीन पीड़िओ और एक आरआइ को निलंबित कर दिया गया है। लापरवाही बरतने के आरोप में आली के पीड़िओ संचाय प्रधान, गरदपुर पीड़िओ जस्पीन सोरेन, राजनगर पीड़िओ अशोक प्रधान और राजनगर आरआइ कियव कुमार जेना को

निलंबित कर दिया गया है। राजस्व मंत्री ने कहा कि यह लोग घर के बालों का खिलाफ कर रहे हैं, उन्हें माफ नहीं किया जायेगा। बेहतर सेवा देने वाले अधिकारियों को पुरस्कृत किया जायेगा। इसी तरह चक्रवात दाना के असर से हुई भारी बारिश के कारण पानी में फंसे लोगों को फायर ब्रिगेड ने बचाया। वारी में फंसे हुए तीन लोग घर के बाहर के फंसे गये। खबर बिल्डर के बाद देर रात फायर ब्रिगेड ने इन तीनों लोगों को रेस्क्यू किया। रात 12:45 बजे फायर टीम ने रेस्क्यू ऑफरेशन किया। दमकल कर्मियों ने अपनी जान जीखिम में डालकर लोगों को पानी से बचाया।

आपदा प्रबंधन मंत्री सुरेश पुजारी ने बताया कि वह लोग घर के बाहर के बालों का खिलाफ कर रहे हैं, उन्हें माफ नहीं किया जायेगा। बेहतर सेवा देने वाले अधिकारियों को पुरस्कृत किया जायेगा। इसी तरह चक्रवात दाना के असर से हुई भारी बारिश के कारण पानी में फंसे लोगों को फायर ब्रिगेड ने बचाया। वारी में फंसे हुए तीन लोग घर के बाहर के फंसे गये। खबर बिल्डर के बाद देर रात फायर ब्रिगेड ने इन तीनों लोगों को रेस्क्यू किया। रात 12:45 बजे फायर टीम ने रेस्क्यू ऑफरेशन किया। दमकल कर्मियों ने अपनी जान जीखिम में डालकर लोगों को पानी से बचाया।

इस अपराध पर जारी एडवाइजरी

प्रतियोगिता में योगासन, स्पीच,

विजय, डीएसी नीरज सहाय के

प्राचार्यों कियर यादव ने संयुक्त

रूप से किया। वहाँ विशिष्ट अतिथि

के रूप में प्रो राजीव अस्थाना, प्रो

वीरेश संस्कृत तत्वावादी

के चौपाल डायरेक्टर डॉ राज

नारायण साहू,

जीडी गोयनका पब्लिक स्कूल एवं

दिव्यांशु

के विद्यार्थी

संस्कृत विद्यालय के विद्यार्थी

सं